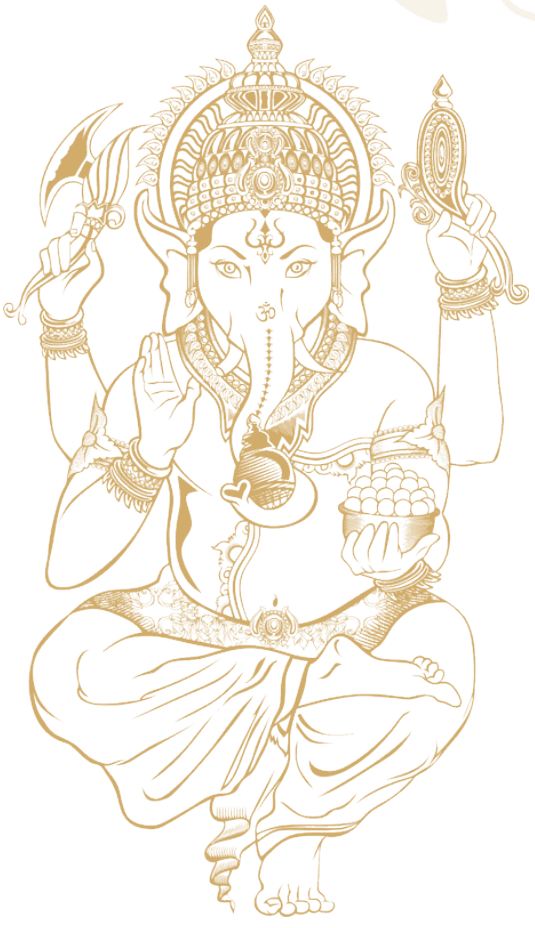

sachin reshma

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121132101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121132101 Date: 01/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/11/1997	जन्म तिथि	30-31/05/2004
बुधवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 15:00:00	जन्म समय	03:20:59 घंटे
घटी 20:00:37	जन्म समय(घटी)	55:02:41 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Bilaspur
31:18:00 उत्तर	अक्षांश	31:18:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व	रेखांश	76:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:59:45	सूर्योदय	05:19:54
17:20:37	सूर्यास्त	19:21:06
23:49:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:55

मीन	लग्न	मेष
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
कन्या	राशि	तुला
बुध	राशि-स्वामी	शुक्र
चित्रा	नक्षत्र	चित्रा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	मंगल
2	चरण	3
आयुष्मान	योग	व्यतिपात
कौलव	करण	बव
पो-पौरुष	जन्म नामाक्षर	रा-राखी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
वैश्य	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	व्याघ्र
राक्षस	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 4वर्ष 6मा 19दि		27:33:37	मीन	लग्न	मेष	09:25:33	मंगल 3वर्ष 2मा 16दि	
गुरु		10:19:59	वृश्चि	सूर्य	वृष	15:52:58	गुरु	
16/06/2020		27:59:40	कन्या	चंद्र	तुला	00:33:01	16/08/2025	
16/06/2036		19:12:49	धनु	मंगल	मिथु	20:58:53	16/08/2041	
गुरु	04/08/2022	01:41:01	धनु	बुध	मेष	26:03:37	गुरु	04/10/2027
शनि	14/02/2025	22:02:07	मक	गुरु	सिंह	15:58:57	शनि	17/04/2030
बुध	23/05/2027	25:33:24	धनु	शुक्र व	वृष	28:54:07	बुध	22/07/2032
केतु	28/04/2028	20:04:09	मीन व	शनि	मिथु	18:02:55	केतु	28/06/2033
शुक्र	28/12/2030	22:48:43	सिंह व	राहु	मेष	17:06:25	शुक्र	27/02/2036
सूर्य	16/10/2031	22:48:43	कुंभ व	केतु	तुला	17:06:25	सूर्य	16/12/2036
चन्द्र	14/02/2033	11:40:45	मक	हर्ष	कुंभ	12:50:00	चन्द्र	17/04/2038
मंगल	21/01/2034	03:59:23	मक	नेप व	मक	21:25:48	मंगल	23/03/2039
राहु	16/06/2036	11:35:36	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	27:17:40	राहु	16/08/2041

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:34 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:55

लग्न-चलित

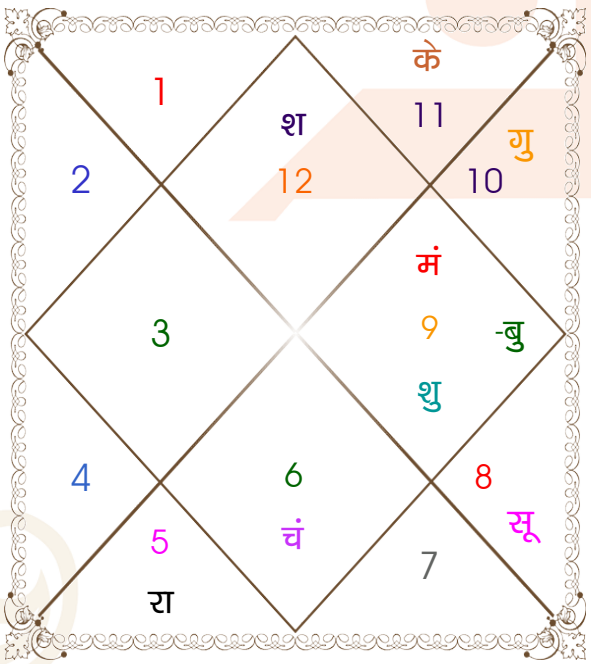

लग्न-चलित

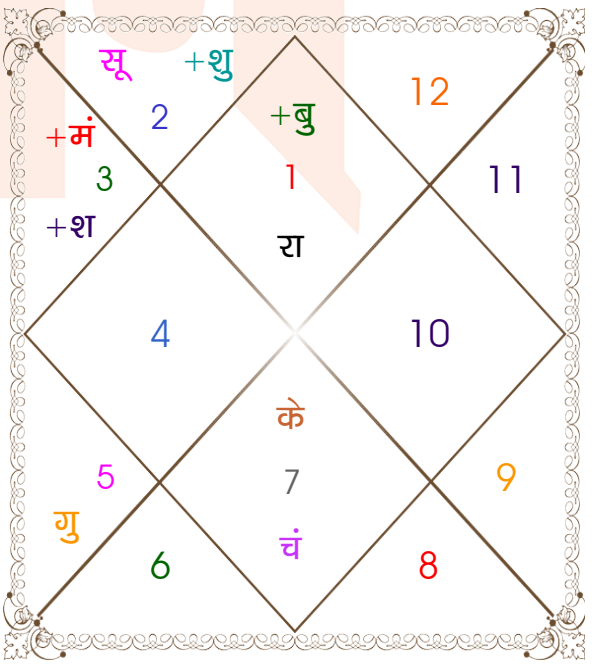

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	व्याघ्र	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : **21 / 36**

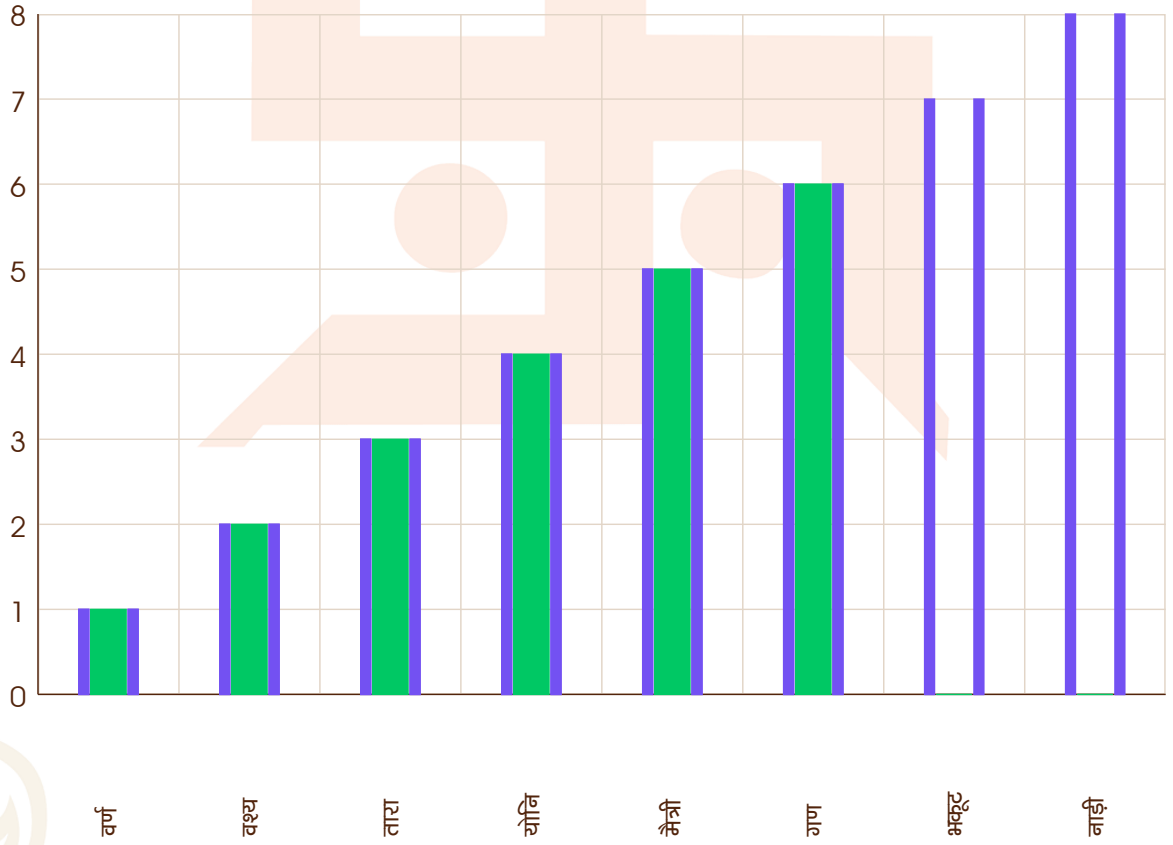

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एक है तथा चरण भिन्न-2 है।

sachin का वर्ग मूषक है तथा reshma का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार sachin और reshma का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

sachin मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

reshma मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

sachin तथा reshma में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

sachin का वर्ण वैश्य है तथा reshma का वर्ण शूद्र है। इसमें reshma का वर्ण sachin के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप reshma अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए reshma हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

sachin का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं reshma का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। sachin एवं reshma दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

sachin की तारा जन्म तथा reshma की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

sachin की योनि व्याघ्र है तथा reshma की योनि भी व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सझम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक

समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में sachin एवं reshma दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि sachin एवं reshma के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण sachin एवं reshma जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

sachin का गण राक्षस है तथा reshma का गण भी राक्षस है। अर्थात reshma का गण sachin के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण sachin एवं reshma दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

sachin से reshma की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा reshma से sachin की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण sachin गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। reshma समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर sachin शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

sachin की नाड़ी मध्य है तथा reshma की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में sachin एवं reshma का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

sachin की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा reshma की राशि वायुतत्व युक्त तुला राशि है। पृथ्वी तथा वायु तत्व में विषमता होने के कारण sachin और reshma के मध्य यदा कदा अनावश्यक मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु सामंजस्य की प्रवृति होने के कारण इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। अतः मिलान सामान्य से अच्छा रहेगा।

sachin की राशि का स्वामी बुध तथा reshma की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र भावों में पड़ते है। अतः इसके शुभ प्रभाव से sachin और reshma का दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा तथा परस्पर संबधों में भी मधुरता रहेगी। एक दूसरे के गुणों की ये प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की भांति कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही परस्पर प्रेम सहानुभूति सहयोग तथा समर्पण की भावना विद्यमान होगी तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

sachin एवं reshma की जन्म राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा sachin और reshma के मध्य परस्पर विवाद एवं मतभेद उत्पन्न होंगे तथा आर्थिक स्थिति में भी विषमता रहेगी जिससे संबधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा परन्तु यदि ये धैर्य एवं सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो इन्का जीवन सुख पूर्वक व्यतीत हो सकता है।

sachin एवं reshma दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान होंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

sachin का वर्ण वैश्य तथा reshma का वर्ण शूद्र है। अतः sachin की प्रवृति धनार्जन सम्बन्धी कार्यों में रहेगी परन्तु reshma किसी पूर्व चुनाव के परिश्रम एवं ईमानदारी से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी। अतः कार्य क्षेत्र में स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

sachin एवं reshma दोनों की तारा 'जनम' है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका शुभ प्रभाव रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय तथा द्वादश भाव में पड़ती है जो एक भकूट दोष माना जाता है। परन्तु मंगल का भी इनकी आर्थिक स्थिति पर शुभ प्रभाव होगा अतः सामान्य रूप से धनैश्वर्य एवं वैभव से युक्त रहेंगे तथा भौतिक सुख साधनों का उपभोग करेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से sachin की प्रवृति व्ययशील रहेगी तथा जुआ एवं लाटरी आदि पर समय समय पर अनावश्यक रूप से व्यय करते रहेंगे। यद्यपि आर्थिक स्थिति पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथापि ऐसी प्रवृति की sachin को यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

यद्यपि sachin और reshma दोनों की मध्य नाड़ी है जिससे इसमें नाड़ी दोष का आभास होता है परन्तु उनका जन्म एक ही नक्षत्र के अलग अलग चरणों में हुआ है। अतः दोनों नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से दोनों का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करके उनमें सफलता प्राप्त करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली बनी रहेगी। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। उत्तम दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने के लिए मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करने में sachin और reshma सफल रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से sachin और reshma का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त sachin और reshma के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में reshma के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन reshma को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में reshma को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से sachin और reshma सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार sachin और reshma का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

reshma के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही reshma यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में reshma को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार reshma को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

sachin की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर sachin सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन sachin ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का sachin के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।